Further, in the instant case in Punjab, one official of State Government of Punjab who was involved in the sale of spurious fertilisers, has already been suspended by the State Government.

(d) The following are some of the important measures taken by the Government to prevent sale of spurious/sub-standard fertilisers and pesticides:—

(i) The State Government is empowered under the Fertiliser (Control) Order, 1985 (FCO) and Insecticides Act, 1968 to enforce quality standards in the production and distribution of fertilisers and pesticides respectively.

(ii) Fertiliser and Insecticides Inspectors have been duly notified in the States.

(iii) The State Enforcement Officers are imparted training in fertilisers and pesticides by CFQC&TI and by the Directorate/Plant Protection Quarantine and Storage of the Ministry of Agriculture.

(iv) The FCO and Insecticides Act are amended on need based considerations to improve quality control enforcement.

**मोटे अनाजों का उत्पादन**

1561. **श्री राम जेठमलानी** : क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि ज्वार, बाजरा, मक्का, रागी आदि मोटे कहे जाने वाले अनाजों का उत्पादन देश में अनिश्चितता के वातावरण में होता है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि इन फसलों के उत्पादन को प्रोत्साहन देने के लिए गत वर्षों में पर्याप्त अनसंधान कार्य नहीं किया गया है ;

(ग) यदि नहीं, तो पिछले तीन वर्षों में ज्वार, मक्का, बाजरा के उत्पादन को बढ़ाने के लिए कौन-कौन से नए परिष्कृत बीजों का अन्वेषण किया गया है ;

(घ) वर्ष 1994 के दौरान अब तक देश में इन नई किस्मों के बीजों की कितनी-कितनी मात्रा उपलब्ध है; और

(ङ) पिछले तीन वर्षों की अवधि के दौरान इन अनाजों का उत्पादन बढ़ाने के लिए उनके समर्थन मूल्य में कब-कब और कितने-कितने प्रतिशत की वृद्धि की गई ?

**कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम)** : (क) जी, हां ।

(ख) जी, नहीं ।

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान निर्मुक्त किए गए मोटे अनाजों की किस्मों की सूची विवरण में दी गई है **(नीचे देखिये)** ।

(घ) पिछले तीन वर्षों में अर्थात् 1991–92, 1992–93, तथा 1993–94 में मोटे अनाजों के प्रमाणित/क्वालिटी बीजों की उपलब्धता की स्थिति, जैसी कि क्षेत्रीय बीज समीक्षा बैठकों में आंकी गई है, निम्नवत है :

(लाख क्विंटल)

| फसल | 1991–92 | 1992–93 | 1993–94 |
|---|---|---|---|
| मक्का . . . . . | 1.71 | 1.60 | 1.68 |
| ज्वार . . . . . | 3.98 | 3.88 | 4.76 |
| बाजरा . . . . . | 1.57 | 1.84 | 2.08 |
| रागी . . . . . | 0.15 | 0.16 | 0.19 |

(ङ) मोटे अनाजों के उत्पादन को बढ़ाने और किसानों के हितों की रक्षा करने के लिए भारत सरकार प्रत्येक वर्ष समर्थन मूल्यों की घोषणा करती है । पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत सरकार द्वारा मोटे अनाजों के लिए घोषित किए गए न्यूनतम समर्थन मूल्य तथा पिछले वर्ष की तुलना में उसमें हुई प्रतिशत वृद्धि नीचे दी गई है :

| फसल वर्ष | न्यूनतम समर्थन मूल्य (रु० प्रति क्विंटल)– | |
|---|---|---|
| | ज्वार, बाजरा, रागी (एफ०ए०क्यू०) | मक्का |
| 1991–92 . . . . . | 205 | 210 |
| 1992–93 . . . . . | 240(17.1) | 245(16.7) |
| 1993–94 . . . . . | 260 (8.3) | 265 (8.2) |
| 1994–95 . . . . . | 280 (7.7) | 290 (9.4) |

**विवरण**

**1993 को समाप्त पिछले तीन वर्षों के दौरान निर्मुक्त मोटे अनाजों की किस्मों/संकर किस्मों की सूची**

| | |
|---|---|
| 1. मक्का | आजाद उत्तम, त्रिशूलता, माही कन्चन, पी० ए०पी०–974, पी०ए०सी०–9401, डी०एम०एच०–107, सी०ओ०ए०–2, पंचगंगा मेघा, डी०एच०एम०–109, एस०एस०एम०–510, के०एच०–528, राजेन्दर संकर मक्का–1 |

| 1 | 2 |
|---|---|
| 2. ज्वार | सी०एस०एच० 13–आर०, जवाहर ज्वार–741, के०–9, सी०ओ०एच०–4, पी०वी०के०–400, सी०एस०वी० 14–आर०, एस०एस०वी०–84, सी०एस०वी०–15, एच०ई०एस०–4 |
| 3. बाजरा | आई०सी०एम०वी०–155, एम०एच०–333, एन०वी०एच०–9, एम०एल०वी०एच०–104, इकनाथ–301, राज–171, एम०एच०–322, आई०सी०एम०वी०–221, आई०सी० एम०एच०–356, सी०ओ०–8, गुजरात संकर–15, गुजरात संकर–235, शारदा वी०एल० रागी–149, ए०–404, गौतमी दपोली–1 |
| 4. रागी | वी०एल० रागी–149, ए–404, गौतमी दपोली–1 |
| 5. आम कदन्न | भावना |
| 6. कोदो कदन्न | जवाहर कोदो–76, एपी के–1 |
| 7. छोटा कदन्न | बिरसा गुंडली–1 |

**Cooperative milk producers' societies**

1562. SHRI GOVINDRAO ADIK: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under consideration of Government for merging and accommodating cooperative milk producers' societies of each State under Operation Flood;

(b) if so, the State Milk Producers' Societies which were duly registered with NDDB as on June, 1994, State-wise;

(c) whether it is a fact that on inclusion of these unregistered milk producers' cooperative societies in NDDB every milk producer will get marginal share of his profit and other incentives/benefits from Government machinery; and

(d) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) No, Sir.

(b) to (d) Does not arise.

**Damage due to drought**

1563. SHRI AAS MOHAMMAD:

SHRI KANAKSINH MOHANSINH MANGROLA:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the value of the crops damaged in the country due to drought during the last year and the details thereof State-wise;

(b) the efforts made by Government to deal with the drought problems; and

(c) the facilities provided to the farmers affected by drought during the last year and the details thereof State-wise?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) to (c) The information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha.

**Crops grown for Commercial purpose**

1564. SHRI SARADA MOHANTY : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) the potential horticultural crops and sugar crops grown for commercial